पटना विश्वविद्यालय

संदेश

पटना विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, पदाधिकारी, शिक्षकेत्तर कर्मचारी और मेरे प्यारे छात्रगण, विगत कुछ महीनों में विश्वविद्यालय परिसर में हुई कुछ अप्रत्याशित घटनाक्रम के कारण यहाँ का सत्र एवं परीक्षा पिछड़ गया है। माननीय कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) के आने के बाद पुनः इसे पटरी पर लाने की कवायद शुरू हो चुकी है। पटना विश्वविद्यालय परिसर में चीज़ों को दुरुस्त करने के लिए सकारात्मक पहल किए जा रहे हैं। लंबित परीक्षाओं को ससमय पूरा करने हेतु तथा सत्र को नियमित करने हेतु विश्वविद्यालय का अकादमिक कैलेंडर जारी किया जा चूका है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सबों के सहयोग से विश्वविद्यालय इस नुकसान कि भरपाई कर लेगा। वर्ग संचालन हेतु यू० जी ० सी ० की सिफारिश के आलोक में माननीय कुलाधिपति महोदय ने जो दिशा निर्देश जारी किए हैं उसका अनुपालन सभी को सुनिश्चित करना है। साथ ही छात्रगण अपने वर्ग में नियमित रूप से उपस्थित रहे क्योंकि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक माहौल को सुधारने में छात्रों की सहभागिता सबसे आवश्यक है।

विश्वविद्यालय में नियम संगत ही कार्य होंगे और इसके लिए पटना विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम बना हुआ है। कोई भी नियंत्री पदाधिकारी किसी आवेदन की अनुशंसा प्रावधान रहने पर ही स्पष्ट रूप में करेंगे। प्रावधान नहीं रहने पर अनावश्यक अनुशंसा ना की जाय। राज्य सरकार के निर्देशानुसार समर्थ पोर्टल पर कई कार्यों की शुरुआत की गई है और इसी क्रम में अवकाश हेतु आवेदन अब समर्थ पोर्टल द्वारा ही स्वीकार्य है। यदि समर्थ पोर्टल पर किसी तरह की दिक्कत होती है तो समर्थ के नोडल पदाधिकारी से संपर्क कर तत्काल कार्य का निष्पादन कराया जाय। सभी नियंत्री पदाधिकारियों से ये उम्मीद की जाती है कि नियम संगत अतिआवश्यक कार्यों के निष्पादन हेतु विश्वविद्यालय हित में स्वयं पहल कर तत्काल सक्षम पदाधिकारी से मिलें।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आने वाला समय फिर से पटना विश्वविद्यालय को गौरान्वित करने वाला होगा और हम सभी इसके लिए मिल कर अनवरत काम करते रहेंगे।

धन्यवाद

15/4/26

अजय कुमार सिंह

कुलपति